Raj Express (Indore), 22nd December, Page-04

आईआईटी इंदौर में सतत् विकास के पदार्थों पर संगोष्ठी का हुआ आयोजन

उभरते पदार्थों पर कार्य व सतत् विकास के लिए दुनिया भर के शोधकर्ताओं को मिला मंच

● इंदौर/ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर में दो दिवसीय सतत् विकास के लिए पदार्थों पर पहली अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (आईएसएमएसडी 2024) का समापन शनिवार को हुआ। संगोष्ठी में उभरते पदार्थों पर उनके कार्यों और सतत् विकास के लिए उनके उपयोग पर चर्चा करने के लिए दुनिया भर के शोधकर्ताओं को एक मंच दिया गया। इसमें भारत, ब्रिटेन, रूस, फिनलैंड, थाईलैंड और मलेशिया के शोधकर्ताओं और उद्योग जगत के लोगों के बीच चर्चाएं हुईं। संगोष्ठी में जैव-आधारित पॉलिमर से लेकर अगली पीढ़ि के इलेक्ट्रॉनिक्स से लेकर उन्नत धातु पदार्थ तक उनके अनुप्रयोग तक कई उभरते पदार्थों पर चर्चा हुई। स्टील और कंक्रीट जैसी मौजूदा पदार्थों पर भी उनके कार्बन उत्सर्जन को कम करने और उनकी स्थिरता में सुधार लाने पर ध्यान केंद्रित करने पर चर्चा की गई।

नए और उभरते पदार्थ आवश्यक

संगोष्ठी के मुख्य अतिथि टाटा स्टील रिसर्च एंड डेवलपमेंट, जमशेदपुर के चीफ प्रोसेस रिसर्च डॉ. सिद्धार्थ मिश्रा थे। संगोष्ठी के संयोजकों में से एक, प्रोफेसर विनोद कुमार ने कहा सतत् विकास लक्ष्यों को पहचानना और उनके प्रति कार्य शुरू करना महत्वपूर्ण है। सतत् विकास को बढ़ावा देने के लिए नए और उभरते पदार्थ आवश्यक हैं। अंतः विषय अनुसंधान और अंतर-विषयक अनुप्रयोग नए व उभरते पदार्थों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। आईआईटी इंदौर और यूके के प्लायमाउथ विश्वविद्यालय के बीच चल रही अनुसंधान क्षमता निर्माण परियोजना के रूप में, संगोष्ठी को स्पार्क की ओर से प्रायोजित किया गया था।

युवा शोधकर्ताओं को प्रेरित करने पर केंद्रित

संगोष्ठी के एक अन्य संयोजक, प्रोफेसर संदीप चौधरी ने कहा यह परियोजना स्थाई कंक्रीट निर्माण में युवा शोधकर्ताओं को प्रेरित करने पर केंद्रित है। यह स्पार्क और यूकेआईईआरआई की एक ऐतिहासिक पहल है और युवा शोधकर्ताओं को स्थाई कंक्रीट निर्माण के क्षेत्र में सीखने का एक बड़ा अवसर प्रदान करती है, जो देश की जरूरत है। संगोष्ठी छात्रों को अपना शोध प्रस्तुत करने और वैश्विक विशेषज्ञों के साथ अलग-अलग विषयों पर चर्चा करने का अवसर देगी, जिससे उन्हें अपने विकास में मदद मिलेगी। इससे पहले इस परियोजना में, आईआईटी इंदौर और प्लायमाउथ विवि के बीच दो दीर्घकालिक अंतर्राष्ट्रीय छात्र विनिमय कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं, जहां प्रत्येक विश्वविद्यालय के छात्रों ने स्थाई कंक्रीट निर्माण के क्षेत्र में प्रशिक्षण के लिए एक-दूसरे के विश्वविद्यालय का दौरा किया।